Seat No. : _____

ND-128

November-2021

B.A., Sem.-V

CC-303 : Hindi
(आधुनिक हिन्दी गद्य का इतिहास)

Time : 2 Hours] **[Max. Marks : 50**

निर्देश : (1) **दोनों** विभाग अनिवार्य हैं ।

(2) विभाग–I में से कोई **तीन** प्रश्न एवं विभाग–II में से कोई **चार** प्रश्न करने हैं ।

विभाग-I

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर लिखिए :

1. हिन्दी कहानी के विकास क्रम का संक्षिप्त परिचय दीजिए । **14**

2. 'प्रेमचंदोत्तर हिन्दी उपन्यास कई मोड़ों और प्रयोगों से गुजरता हुआ दिखलाई देता है ।' कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए । **14**

3. 'प्रसाद युग ऐतिहासिक नाटकों और समस्या नाटकों का युग है ।' कथन की पुष्टि कीजिए । **14**

4. हिन्दी एकांकी के विकास की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए । **14**

5. शुक्लयुगीन हिन्दी आलोचना पर प्रकाश डालिए । **14**

6. भारतेन्दु युगीन निबंध पर प्रकाश डालते हुए सफल निबंधकार के रूप में प्रतापनारायण मिश्र का परिचय दीजिए । **14**

7. आत्मकथा के उद्‌भव एवं विकास की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए । **14**

8. विष्णु प्रभाकर की सुप्रसिद्ध रचना 'आवारा मसीहा' का सविस्तार परिचय दीजिए । **14**

विभाग-II

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर दीजिए : **8**

(1) प्रेमचंद इनके प्रति पूरे देश का ध्यान आकृष्ट करना चाहते थे –

(a) स्त्रियों (b) किसानों

(c) गाँवों (d) इनमें से सभी

(2) यह उपन्यास आत्मकथात्मक शैली में लिखित है ।

(a) गोदान (b) वरदान

(c) रंगभूमि (d) त्यागपत्र

(3) इस रचना ने हिन्दी नाटक एवं रंगमंच के क्षेत्र में एक नई दिशा और एक नये मोड़ की सूचना दी ।

(a) आषाढ़ का एक दिन (b) अंधेर नगरी

(c) नील देवी (d) कफन

(4) निरूपाय और विवश मल्लिका किसके हाथों स्वयं को सौंप देती है ?

(a) कालिदास (b) सिकंदर

(c) खिलजी (d) विलोम

(5) हिन्दी साहित्य का परिचय कराने में यह ग्रंथ प्रामाणिक बन पड़ा है –

(a) चिंतामणि (b) हिंदी साहित्य की भूमिका

(c) मानसरोवर (d) भारत दुर्दशा

(6) व्यावहारिक आलोचना को इन्होंने समृद्ध किया –

(a) प्रसाद (b) जैनेन्द्र

(c) रामचन्द्र शुक्ल (d) प्रेमचंद

(7) ग्रंथाकार रूप में संस्मरण–लेखन का प्रारंभ इस युग में हुआ –

(a) भारतेन्दु (b) द्विवेदी

(c) छायावादी (d) आदि

(8) हिन्दी रेखाचित्र के विकास में इनका महत्त्वपूर्ण योगदान है

(a) भारतेन्दु (b) प्रसाद

(c) महादेवी वर्मा (d) शुक्लजी